an>

Title: Regarding way of conducting matriculation examination at Khagaria, Bihar by the State government.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे एक गंभीर सवाल पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। इस देश में एक राज्य है, जहां शिक्षा का कोई मतलब नहीं है, न वहां प्राथमिक शिक्षा है, न कालेज हैं, न टीचर्स हैं, न प्रोफेसर हैं और न कोई गुणवत्ता है। वहां सिर्फ मिड डे मील और पोषाहार पर बच्चे जाते हैं और वे भी 90 प्रतिशत दलित बच्चे हैं। मैं आपको प्रिंट दिखा रहा हूं, वहां स्थिति इतनी बुरी हैं, मैं इसे पूरे सदन को दिखाना चाहूंगा, वहां बच्चों को नंगा करके उनका एग्जाम लिया जाता है। वहां बच्चों के कपड़े उतारकर, उन्हें नंगा करके जिस तरह से एग्जाम लिया जाता है, वैसा कभी सेना का एग्जाम जांघिया और गंजी में लिया जाता है। लेकिन खगड़िया में मैट्रिक के बच्चों का जिस तरह से एग्जाम लिया है, उन्हें भीतर पीटा जाता है, पढ़ाई के लिए कभी गए नहीं, कभी वहां ट्यूशन नहीं हुआ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि यह मानवाधिकार का सबसे बड़ा उल्लंघन है। इससे बड़ी तालिबानी सरकार और हिटलरशाही जैसी सरकार कहीं नहीं हो सकती। मेरा सरकार से आग्रह है कि इस पर सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। मैं समझता हूं कि पूरे सदन को इस पर निंदा प्रस्ताव लाना चाहिए कि जिस तरीके से बच्चों को नंगा करके वहां एग्जाम लिया जाता है, यह घोर निंदनीय है। ...(व्यवधान) मेरा आग्रह है कि सरकार उस पर तुरंत कार्रवाई करे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरो प्रसाद मिश्र को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।